गरवी गुजरात

PRGI No. UPHIN/25/A1697

गरवी गुजरात

PUBLISHED HINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 030
दि. 30.05.2026,
शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

विनम्रता, क्षमाशीलता और उत्तम आचरण ही व्यक्तित्व के सच्चे आभूषण हैं: पीएम मोदी

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर विनम्रता और क्षमाशीलता को लेकर संस्कृत सुभाषित शेयर किया। पीएम मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा कि विनम्रता, क्षमाशीलता और उत्तम आचरण ही व्यक्तित्व के सच्चे आभूषण हैं। इन गुणों के साथ ही आज देशवासी विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में निरंतर जुटे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने संस्कृत श्लोक लिखा,

'तेजः क्षमा धृतिः शौचमद्रोहो नातिमानिता।

भवन्ति सम्पदं दैवीमभिजातस्य भारत।।'

श्लोक का अर्थ

इस श्लोक का हिंदी अर्थ है कि तेजस्विता, क्षमाशीलता, अदम्य धैर्य, आचरण की पवित्रता, राष्ट्र के प्रति निष्कपट भाव तथा अहंकाररहित व्यक्तित्व ये सभी गुण दैवी संपदा को प्राप्त व्यक्तित्व के लक्षण कहे गए हैं।

बता दें कि प्रधानमंत्री की ओर से गुरुवार को भी सुभाषित शेयर किया गया था। उन्होंने लिखा था कि महान

क्रांतिकारी और प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक वीर सावरकर जी को उनकी जयंती पर सादर नमन! वीरता और बौद्धिकता से भरा उनका व्यक्तित्व देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा।

पीएम ने 'अनन्तोद्भूतभूतौघसङ्कुले भूतलेऽखिले। शस्त्रे शास्त्रे त्रिचतुराश्चतुरा यदि मादृशाः।।' श्लोक साझा किया था, जिसका हिंदी अर्थ है कि संसार में अनेक लोग केवल ज्ञान या केवल शक्ति के लिए प्रसिद्ध होते हैं, किंतु वास्तव में वे धीर गंभीर व्यक्तित्व अत्यंत विरले होते हैं जो ज्ञान और पराक्रम दोनों से युक्त हों।

प्रधानमंत्री ने बुधवार को शेयर किए गए सुभाषित में लिखा था कि निरंतर प्रयास, धैर्य और दृढ़ संकल्प के साथ बड़े से बड़े लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। आज देशवासी इसी भावना से भारतवर्ष को नई ऊंचाइयों की ओर ले जा रहे हैं।

उन्होंने 'यो यमर्थं प्रार्थयते तदर्थं चेह ते क्रमात। अवश्यं स तमाप्नोति न चेदर्थान् निवर्तते।।' जिसका हिंदी अर्थ होता है कि जो व्यक्ति जिस लक्ष्य की प्रार्थना या इच्छा करता है और उसे पाने के लिए निरंतर क्रमबद्ध प्रयास करता है, वह उस लक्ष्य को निश्चित रूप से प्राप्त कर लेता है, बशर्ते वह बीच में हार मानकर अपने मार्ग से पीछे न हटे।

म्यांमार के राष्ट्रपति 30 मई को भारत पहुंचेंगे, 1 जून को पीएम मोदी से होगी द्विपक्षीय वार्ता

म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग 'इंग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर 30 मई से 3 जून 2026 तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। यह उनकी वर्तमान पद पर भारत की पहली आधिकारिक यात्रा होगी। राष्ट्रपति यू मिन आंग 'इंग के साथ एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल होगा, जिसमें कई कैबिनेट मंत्री, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और व्यापार जगत के प्रमुख नेता शामिल होंगे।

(जीएनएस)।

नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। दोनों नेता भारत-म्यांमार के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा करेंगे।

इस दौरान एक व्यापार मंच में भी भाग लेंगे। 2 जून 2026: मुंबई का दौरा करेंगे, जहां व्यापार-उद्योग से जुड़ी बैठकें और विभिन्न स्थलों का भ्रमण करेंगे।

यात्रा 3 जून तक चलेगी।

ज्ञात हो, राष्ट्रपति यू मिन आंग 'इंग मूल रूप से 1 जून को 'इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस समिट' में भाग लेने वाले थे, लेकिन अब वे पूर्ण आधिकारिक यात्रा पर भारत आ रहे हैं।

रणनीतिक महत्व, उल्लेखनीय है कि म्यांमार भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट', 'एक्ट ईस्ट' और 'महासागर (SAGAR)' नीतियों के केंद्र में है। दोनों देशों के बीच सुरक्षा, व्यापार, कनेक्टिविटी, ऊर्जा और सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में यह यात्रा महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

गुंडों के आगे नतमस्तक थी सपा सरकार, खुलेआम घूमते थे शोहदे: मऊ में बोले सीएम योगी आदित्यनाथ

गलत नेता के चुनने पर जनता के पैसे पर सेंध लगती है। विकास किसी जाति विशेष के लिए नहीं होता है। इसका लाभ हर वर्ग को मिलता है।

(जीएनएस)।

मऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूर्व की सपा सरकार माफिया व गुंडों के सामने नतमस्तक थी। उनके सामने इनकी सरकार पसीने छोड़ती थी। गुंडे और शोहदे खुलेआम घूमते थे। बेटियां स्कूल नहीं जा पाती थीं और व्यापारी सूर्यास्त से पहले डर के मारे अपने प्रतिष्ठान बंद कर देते थे।

उस दंगा और कर्फ्यूग्रस्त माहौल के कारण हमारे युवाओं को प्रदेश के बाहर अपनी पहचान छुपाने के लिए मजबूर होना पड़ता था। अब राज्य में किसी माफिया या गुंडे में यह दुस्साहस नहीं है कि वह खुली जीप में पिस्तौल लहराते हुए किसी हिंदू या निर्दोष नागरिक को धमका सके।

अगर किसी ने भी हमारी बेटी या व्यापारी की सुरक्षा की तरफ आंख उठाकर भी देखा या सेंध लगाई, तो उसका सीधे यमराज के घर जाने का रास्ता तय है। सीएम शुक्रवार को मधुबन के गांधी मैदान में 392 करोड़ की लागत वाली 114 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह तथा ताजोपुर में सैनिक अस्पताल के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने बटन दबाकर योजनाओं का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में पंडित श्यामनारायण पांडेय की कविताओं के माध्यम से व यहां के विकास पुरुष स्व. कल्पनाथ राय के विकास के नाम से जाने जाने वाला यह जनपद बीच के कालखंडों में माफियाओं के नाम से जाने जाना लगा था। 2017 के पहले यही लूट खसोट था। पूर्व की सपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों की उम्र आज 30-35 वर्ष से ऊपर है, वह भूल नहीं सकते कि 21 वर्ष पहले वर्ष 2005 में इसी मऊ को दंगे की आग में झोंकने का कुत्सित प्रयास किया गया था।

आस्था के केंद्र रामलीला के आयोजनों में व्यवधान डाला जाता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब उत्तर प्रदेश में रामनवमी, जन्माष्टमी, रक्षाबंधन, शिवरात्रि और माता की चौकियां पूरी भव्यता के साथ मनाई जाती हैं। यदि किसी ने इन पावन पर्वों और धार्मिक आयोजनों में व्यवधान डालने की कोशिश की, तो उसकी रावण और कंस जैसी दुर्गति होना निश्चित है।

कहा कि भाजपा के मिशन में चार जातियां गरीब, युवा नारी और अन्नदाता है। वर्ष 2014 में पीएम नरेन्द्र मोदी को जब देश की जनता ने बागडोर सौंपी थी तो उन्होंने इसी मिशन पर काम किया। विकास किसी जाति विशेष के लिए नहीं होता है। इसका लाभ हर वर्ग को मिलता है। इसके पूर्व की सरकारों में जाति विशेष के लिए विकास होता था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गलत नेता के चुनने पर जनता के पैसे पर सेंध लगती है। उन्होंने सपा और कांग्रेस को कटघरे में खड़ा करते हुए पूछा कि आखिर क्यों उनके शासनकाल में गरीबों को 65 लाख पक्के आवास नहीं मिले? क्यों करोड़ों माताओं-बहनों को शौचालय और मुफ्त राशन के लिए तरसना पड़ा?

यह सवाल सपा और कांग्रेस से पूछा जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज बिना किसी सिफारिश के प्रदेश के 10 करोड़ से अधिक जरूरतमंद लोगों को आयुष्मान भारत और मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत मुफ्त इलाज की गारंटी मिली हुई है। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत यदि किसी किसान या बटाईदार के साथ कोई अनहोनी होती है, तो हमारी सरकार के जनप्रतिनिधि मात्र 24 घंटे के भीतर पीड़ित परिवार के घर जाकर पांच लाख की सहायता राशि सौंपते हैं।

बाढ़ से बचाव के लिए किया जा रहा काम

कहा कि अब कोई किसी गरीब की जमीन पर कब्जा नहीं कर सकता है। अब उसे पता है कि बुलडोजर आयेगा और कार्रवाई करेगा। गरीब का शोषण करने की छूट किसी को नहीं देंगे। मऊ जनपद विकास में आगे बढ़ रहा है। मेरे लिए मऊ आनंद जैसा है। मैं पहले भी गोरखपुर से यहां चला आता था। तब भी मै यहां लड़ाई लड़ता था।

कहा कि मऊ से लखनऊ की दूरी अब तीन घंटे की हो गई हैं। यह भाजपा की देन है। कहा कि घाघरा से बाढ़ से बचाव के लिए कार्य किया जा रहा है। आगे और कार्य किया जाएगा। घोसी चीनी मिल के लिए प्रस्ताव दिया गया है। चीनी मिल का विस्तारीकरण किया जायेगा। जल्द ही यह काम शुरू हो जाएगा। यहां मेडिकल कालेज निमार्णाधीन चल रहा है।

जल्द ही हम उसका उद्घाटन करने आएंगे। इस अवसर पर नगर विकास व ऊर्जा मंत्री एके शर्मा, कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान, कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर, जिला प्रभारी गिरीश चंद्र यादव, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, विधायक राम विलास चौहान, एमएलसी बिच्छेलाल राजभर, विक्रांत सिंह रीशु, बिग्रेडियर पीएन सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष मनोज राय और जिलाध्यक्ष रामाश्रय मौर्य आदि उपस्थित थे।

सीएम योगी ने चौधरी चरण सिंह को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्लीः सीएम योगी आदित्यनाथ ने पूर्व प्रधानमंत्री और 'भारत रत्न' चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की. मुख्यमंत्री ने विधान भवन स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया. इस अवसर पर उन्होंने चौधरी चरण सिंह को भारत मां का महान सपूत और किसानों का सच्चा मसीहा बताया. मुख्यमंत्री ने कहा कि चौधरी चरण सिंह का जीवन किसानों, गांवों और कृषि क्षेत्र के उत्थान के लिए समर्पित रहा. उन्होंने कृषि और राजस्व सुधारों के माध्यम से देश को नई दिशा दी.

लखनऊ आएंगे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, करेंगे लखनऊ कानपुर एक्सप्रेसवे की अंतिम समीक्षा; पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन

(जीएनएस)।

लखनऊः लखनऊ से सांसद एवं केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार 30 मई को अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ में 'नौसेना शौर्य वाटिका' का भव्य उद्घाटन कार्यक्रम में सम्मिलित होगे.

कार्यक्रम का आयोजन राजधानी के इकाना स्टेडियम के निकट स्थित नौसेना शौर्य वाटिका में किया जायेगा. इसके अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लखनऊ कानपुर एक्सप्रेसवे की अंतिम समीक्षा करेंगे 15 जून के बाद कभी भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस एक्सप्रेसवे का लोकार्पण कर सकते हैं. एक्सप्रेस वे के माध्यम से लखनऊ कानपुर की दूरी मात्र 45 से 50 मिनट में पूरी हो जाएगी.

भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रक्षामंत्री जी सुबह 11:10 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचेंगे .फिर 11:25 बजे नौसेना शौर्य वाटिका पहुंचेंगे. इसके बाद 11:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक उद्घाटन समारोह सम्मिलित होंगे.

कार्यक्रम के समापन के बाद दोपहर 1:00 बजे पुनः सड़क मार्ग से लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचेंगे. इसके पश्चात दिल्ली के पालम एयरपोर्ट के लिए प्रस्थान करेंगे.

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि, लखनऊ कानपुर एक्सप्रेसवे 15 जून तक पूरी तरह से तैयार हो जाएगा और इस पर ट्रैफिक संचालित किया जा सकेगा. इसको लेकर राजनाथ सिंह अंतिम प्रगति रिपोर्ट ले सकते हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नियंत्रित किया जाएगा और वही इस एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे.

गौर करें तो एक्सप्रेसवे से रोजाना हजारों वाहन चालकों, व्यवसायियों, छात्रों और आम नागरिकों को लाभ होगा. कानपुर के उद्योगपतियों का कहना है कि माल परिवहन तेज होगा. इससे लागत में बचत होगी और व्यापार बढ़ेगा. लखनऊ और कानपुर के बीच बेहतर कनेक्टिविटी से रीयल एस्टेट, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर खुलेंगे. एक्सपर्ट का अनुमान है कि इससे दोनों शहरों के बीच आर्थिक गतिविधियां कई गुना बढ़ जाएंगी.

खरीफ 2026 के लिए बीज की उपलब्धता पूरी तरह आश्वस्त करने वाली : शिवराज सिंह चौहान

(जीएनएस)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज दिल्ली में राष्ट्रीय खरीफ कृषि सम्मेलन के दौरान मीडिया से चर्चा में कहा कि खरीफ 2026 के लिए देश पूरी तरह तैयार है। उन्होंने बताया कि राज्यों के कृषि मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों, वैज्ञानिकों, कृषि विश्वविद्यालयों, केवीके, प्रगतिशील किसानों और केंद्र-राज्य की पूरी कृषि टीम के साथ हुए व्यापक विचार-विमर्श में बीज, उर्वरक, फसल बीमा, कृषि ऋण, प्राकृतिक खेती और राज्यवार कृषि रोडमैप जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर ठोस दिशा तय की गई।

नई दिल्ली में पूसा स्थित सुब्रमण्यम हॉल में राष्ट्रीय खरीफ कृषि सम्मेलन में आयोजित पत्रकार वार्ता में केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि खरीफ सीजन किसी भी दृष्टि से चुनौती का नहीं बल्कि तैयारी, समन्वय और किसान-केंद्रित नीति का सीजन बने, इसके लिए केंद्र और राज्य मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि किसी भी फसल की सफलता की सबसे पहली शर्त गुणवत्तायुक्त बीज है और इस बार देश में खरीफ 2026 के लिए बीज की उपलब्धता पूरी तरह आश्वस्त करने वाली है। उन्होंने जानकारी दी कि खरीफ सीजन के लिए देश में लगभग 173 लाख क्विंटल बीज की आवश्यकता है, जबकि 192 लाख क्विंटल बीज उपलब्ध है। यानी जरूरत से लगभग 11 प्रतिशत अधिक बीज उपलब्ध कराया गया है। राज्यों की आवश्यकताओं के अनुरूप बीज आवंटन भी किया जा चुका है और इस बात पर विशेष जोर दिया गया है कि समय रहते बीज राज्यों द्वारा उठाया जाए और किसानों तक खरीफ बुवाई से पहले पहुंच जाए।

उन्होंने कहा कि मौसम की अनिश्चितताओं को ध्यान में रखते हुए केंद्र ने 1.74 लाख क्विंटल का राष्ट्रीय बीज भंडार भी तैयार किया

है। यदि कहीं बारिश में देरी हो, बीच में अंतराल आए या पुनर्बुवाई की जरूरत पड़े, तो किसानों को बीज उपलब्ध कराने में कोई कठिनाई न हो, इसके लिए अग्रिम तैयारी की गई है।

श्री चौहान ने बताया कि किसानों को योजनाओं का लाभ सरल और लक्षित तरीके से देने के लिए फार्मर आईडी अभियान को तेजी से आगे बढ़ाया गया है। अब तक 9 करोड़ 76 लाख से अधिक फार्मर आईडी बनाई जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि इससे किसानों को बार-बार अलग-अलग कागज देने की जरूरत कम होगी और खाद, सहायता तथा अन्य सुविधाओं का वितरण अधिक पारदर्शी और सही पात्रों तक सुनिश्चित किया जा सकेगा।

कृषि ऋण के मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने कहा कि देश में औसत कृषि ऋण का आकार लगभग 1.32 लाख रुपये है लेकिन विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों में इसमें बड़ा अंतर है। पूर्वी भारत में यह औसत काफी कम है। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में कृषि ऋण का प्रवाह कम है, वहां बैंकों के साथ बैठक कर पर्याप्त ऋण उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जाएगा ताकि किसान समय पर निवेश कर सकें।

छात्रों के लिए बेहद दर्दनाक', नीट-यूजी 2026 पेपर लीक पर सुप्रीम कोर्ट गंभीर, एनटीए को लगाई फटकार

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, NEET-UG 2026 पेपर लीक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बड़ा कदम उठाते हुए कहा कि वह इस पूरे मामले की जांच की कुछ समय तक स्वयं निगरानी करेगा। कोर्ट ने परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) को कड़ी फटकार लगाई और कहा कि इस तरह की घटनाएं युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हैं। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि छात्रों को इस प्रकार निराश नहीं किया जा सकता।

कोर्ट ने कहा कि हलफनामे में यह स्पष्ट होना चाहिए कि विशेष प्रशिक्षित कर्मियों की नियुक्ति और विशेषज्ञों की व्यापक टीम के जरिए NTA के भीतर संस्थागत अनुभव और विशेषज्ञता कैसे विकसित की जाएगी।

भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने पर जोर

सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की कि इस पूरी कवायद का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ठळअ के पास पर्याप्त भौतिक और बौद्धिक संसाधन उपलब्ध हों। अदालत ने कहा कि 2024 और 2026 की ठएएळ परीक्षा विवादों जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस व्यवस्था जरूरी है।

कोर्ट ने केंद्र सरकार और ठळअ को अपनी विस्तृत कार्ययोजना पेश करने के लिए छह सप्ताह का समय दिया है। सुनवाई के दौरान अदालत ने ठळअ और इस मामले के लिए गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति के अध्यक्ष डॉ. के. राधाकृष्णन द्वारा दाखिल जवाबों और हलफनामों का भी संज्ञान लिया।

पीएम स्वयं रख रहे मामले पर नजर

सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पक्ष रख रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को भरोसा दिलाया कि सरकार इस मामले को बेहद गंभीरता से ले रही है। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रणाली की शुचिता बनाए रखने के लिए केंद्र सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है और स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस पूरे घटनाक्रम पर सीधे नजर बनाए हुए हैं।

सम्पादकीय

कर्नाटक में नहीं दोहराई राजस्थान वाली गल्ती

कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा करके बृहस्पतिवार को त्याग पत्र दे दिया और यह भी स्पष्ट कर दिया कि उनके उत्तराधिकारी अब उपमुख्यमंत्री डीके शिववुमार होंगे। दरअसल मई 2023 में कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को बहुमत मिला तो पाटा ने सिद्धरमैया को मुख्यमंत्री बनने का अवसर दिया। दूसरी तरफ उपमुख्यमंत्री डीके शिववुमार ने चुनाव परिणाम घोषित होते ही मुख्यमंत्री पद पर अपना दावा ठोंक दिया था। शिव वुमार का तर्व था कि उन्होंने चुनाव में पाटा के लिए संसाधन जुटाए और कार्यकर्ता भी उन्हें ही मुख्यमंत्री पद पर देखना चाहते हैं। उस वक्त तो जैसे तैसे डीके शिववुमार को उपमुख्यमंत्री पद के लिए पाटा नेतृत्व ने सहमत कर लिया था किन्तु सिद्धरमैया को कांग्रेस द्वारा दो टूक कह दिया गया था कि दावा तो डीके शिववुमार का मुख्यमंत्री पद का बनता है फिर भी अभी तो आप बन जाइए किन्तु जब कभी भी त्यागपत्र देने के लिए कहा जाए, शीर्ष नेतृत्व के निर्देश का पालन करके पद छोड़ देना होगा। माना जा रहा है कि कांग्रेस नेतृत्व को इस बात का एहसास हो गया कि 2028 में होने वाले चुनाव में डीके शिववुमार के सहयोग के बिना सिद्धरमैया कांग्रेस को दोबारा चुनाव नहीं जिता पाएंगे। कांग्रेस नेतृत्व को डीके शिववुमार ने एहसास दिला दिया कि यदि उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया तो आगामी विधानसभा चुनाव में वह मदद नहीं करेंगे। यह सच है कि शिववुमार बड़े व्यवसायी हैं और व्यवसायियों में उनकी गहरी पैठ है। इसलिए कांग्रेस को सहयोग राशि का प्रबंध कराने में उन जैसा कोई अन्य नेता कांग्रेस में है ही नहीं। यही कारण कि जब तक शिववुमार को पाटा नेतृत्व मना पाया तब तक मनाया, लेकिन जब देखा कि अब और अधिक वह मानने वाले नहीं हैं तब विवश होकर सिद्धरमैया को त्यागपत्र का निर्देश देना ही पड़ा। अब विधानसभा की शेष दो वर्ष की अवधि बची है जिसका उपयोग डीके शिववुमार करेंगे ताकि मई 2026 से मई 2028 तक पाटा को इतना लोकप्रिय बना दें कि एक बार फिर 2028 में पाटा चुनाव जीत जाएं। बहरहाल, कांग्रेस नेतृत्व राजस्थान दोहराने की दोबारा गलती नहीं करना चाहती थी। यही कारण है कि जिस तरह अशोक गहलोत के सामने झुक कर सचिन पायलट की उपेक्षा की और पायलट के समर्थकों को जलील होना पड़ा, वह गलती कर्नाटक में कांग्रेस ने दोहराने की गलती नहीं की। सच तो यह भी है कि तीन साल के शासनकाल में सिद्धरमैया शासन के खिलाफ लोगों में नाराजगी होना स्वाभाविक है किन्तु जब वह पद से हट जाएंगे और नए मुख्यमंत्री डीके शिववुमार बनेंगे तो सत्ता विरोधी रूझान का असर कम ही रहेगा। पार्टियां अगले चुनाव में सफलता हासिल करने के लिए भी यही तरीका अपनाती हैं। चुनाव की आहट होते ही किसी नए को मुख्यमंत्री बना देती हैं ताकि पुराने चेहरे को भूल कर वोटर नए चेहरे पर भरोसा करके वोट दे दें। लब्बोलुआब यह है कि कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन सामान्य घटना है। इससे पाटा के अन्दर स्थिरता और सत्ता में वापसी दोनों की संभावनाएं बढ़ गई हैं।

चीन-पाकिस्तान की उड़ेगी नींद! भारत खरीदने जा रहा 'सबसे खतरनाक' रूसी एयर डिफेंस सिस्टम की एक्स्ट्रा यूनिट

डिफेंस को लेकर रूस से भारत फिर एक बड़ी खरीद करने जा रहा है। भारत की इस खरीद से चीन और पाकिस्तान में दहशत पैदा हो सकती है। भारत रूस से वही डिफेंस सिस्टम की अतिरिक्त खरीद करने जा रहा है, जो कि भारत जंग में खुद टेस्ट कर चुका है। रूस के सबसे शक्तिशाली एयर डिफेंस सिस्टम की भारत एक्स्ट्रा यूनिट खरीदने जा रहा है

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः चीन और पाकिस्तान की नींद उड़ना तय है, क्योंकि भारत अपने पुराने दोस्त रूस से उसके खतरनाक एयर डिफेंस सिस्टम की एक्स्ट्रा खेप खरीदने जा रहा है। ये वो एयर डिफेंस सिस्टम है, जिसे भारत जंग के मैदान में आजमाकर देख चुका है। रूस के इस खतरनाक 'आसमानी सुरक्षा कवच' ने भारत और पाकिस्तान की जंग में ढअङ की धज्जियां उड़ा दी थी। रूसी सरकारी मीडिया नेटवर्क फ्ळ क्ल्र्स् के मुताबिक भारत ने अब लंबी दूरी तक मार करने वाले S-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की अतिरिक्त खेप खरीदने का मन बना लिया है।

डिलीवरी को लेकर बातचीत जारी

आरटी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, रूस की फेडरल सर्विस फॉर मिलिट्री-टेक्निकल कोऑपरेशन ने इस बात की पुष्टि की है कि भारत, S-400 लंबी दूरी की एयर डिफेंस सिस्टम की एक्स्ट्रा खेप खरीदने के लिए रूस के साथ बातचीत कर रहा है। रूस की फेडरल सर्विस फॉर मिलिट्री-टेक्निकल कोऑपरेशन के मुताबिक रूस और भारत S-400 ट्रायम्फ एयर डिफेंस सिस्टम की एक और खेप की डिलीवरी को लेकर बातचीत कर रहे हैं।

इन्वेंट्री के विस्तार की प्लानिंग

रूस ने इस डील को लेकर जारी बातचीत की जानकारी देते हुए कहा कि S-400 ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान खुद को साबित किया है। अब भारत 2018 की डील के तहत ऑर्डर किए गए 5 रेजिमेंटल सेट से आगे बढ़कर अपनी इन्वेंट्री का विस्तार करने में दिलचस्पी दिखा रहा है।

क्या है S-400 की खासियत

लंबी मारक क्षमताः एस-400 की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इस सिस्टम में अलग-अलग रेंज की मिसाइलें तैनात की जाती हैं। सबसे कम दूरी की मिसाइल की रेंज 40 किलोमीटर तो सबसे लंबी दूरी की मिसाइल की रेंज 400 किलोमीटर होती है। रूसी एस-400 आसमान में 30 किलोमीटर की ऊंचाई तक के टारगेट को निशाना बना सकता है।

हाई-टेक रडारः इस डिफेंस सिस्टम के रडार कमाल के हैं। एस-400 दूरी के मामले में 600 किलोमीटर दूर से ही दुश्मन के लड़ाकू जहाजों के बारे में पता कर लेता है। स्टेल्थ विमान भी इससे बच नहीं पाते और डिटेक्ट हो जाते हैं।

एक साथ कई निशानेः एस-400 का कमांड सिस्टम एक बार में करीब 300 टारगेट पर एक साथ नजर रख लेता है। इतना ही नहीं अगर एक ही समय में 80 टारगेट भी सामने आ जाएं तो रूसी एयर डिफेंस सिस्टम उन्हें एक साथ निशाना बना सकता है।

तेजी से तैनातीः एस-400 सिस्टम पूरी तरह से मूव करने लायक है। ट्रकों की मदद से इसे कहीं पर भी आसानी से ले जाया जा सकता है। इस महज 10 मिनट के अंदर इस्तेमाल करने के लिए तैयार किया जा सकता है।

अभेद सिक्योरिटी कवरः

अगर एस-400 की पहली मिसाइल से टारगेट किसी भी वजह से चूक जाता है तो यह सेकंड्स के अंदर दूसरी मिसाइल दाग देता है।

ऑपरेशन सिंदूर में निभाई थी भूमिका

ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पाकिस्तान को उसकी जमीन पर धूल चटा दी, लेकिन बदले की कार्रवाई के तौर पर पाकिस्तान हमारा कुछ भी नहीं बिगाड़ पाया। पड़ोसी मुल्क भारत पर ड्रोन और मिसाइलें बरसाने की नाकाम कोशिशें करता रहा, लेकिन भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तानी हथियारों की एक न चलने दी। भारत की इस मजबूत सुरक्षा प्रणाली में रूस के एस-400 डिफेंस सिस्टम ने बड़ी भूमिका निभाई थी।

क्या है फिजी पोर्ट प्रोजेक्ट? भारत समेत चार देश मिलकर ऐसे निकालेंगे चीन की हेकड़ी

भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान फिजी में एक आधुनिक बंदरगाह विकसित करने जा रहे हैं. आइए जानते हैं कि चीन के लिए यह क्यों है खतरनाक.

हिंद प्रशांत क्षेत्र में एक बड़ा भू राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है. भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान के विदेश मंत्रियों ने क्वॉड गठबंधन के तहत फिजी में एक आधुनिक बंदरगाह विकसित करने पर संयुक्त रूप से सहमति जताई है. इस घोषणा को एक जरूरी रणनीतिक कदम के तौर पर देखा जा रहा है. इसका उद्देश्य प्रशांत महासागर में चीन के बढ़ते प्रभाव को कम करना और हिंद प्रशांत क्षेत्र में क्वॉड की मौजूदगी को मजबूत करना है.

क्या है फिजी बंदरगाह परियोजना?

फिजी बंदरगाह परियोजना एक संयुक्त बुनियादी ढांचा और समुद्री

पहल है. इसके तहत क्वॉड के चारों देश मिलकर फिजी में एक उच्च क्षमता वाला बंदरगाह बनाएंगे. साथ ही उसका आधुनिकीकरण करेंगे. प्रशांत महासागर में स्थित फिजी प्रमुख समुद्री मार्गों पर काफी ज्यादा रणनीतिक स्थिति रखता है. इस परियोजना के जरिए क्वॉड का उद्देश्य कनेक्टिविटी को मजबूत करना, समुद्री लॉजिस्टिक्स में सुधार करना और प्रशांत क्षेत्र में अपनी रणनीतिक उपस्थिति का विस्तार करना है. इस परियोजना से व्यापार पहुंच में सुधार होने और प्रशांत द्वीप देशों को चीन द्वारा वित्तपोषित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के विकल्प उपलब्ध होने की भी उम्मीद है.

यह परियोजना भू राजनीतिक रूप से क्यों जरूरी है?

कई सालों से चीन अपनी बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव के तहत बुनियादी ढांचे में निवेश, श्रण और बंदरगाह परियोजनाओं के जरिए से पूरे हिंद प्रशांत क्षेत्र में अपने प्रभाव का विस्तार कर रहा है. बीजिंग के आलोचकों ने बार-बार चीन पर छोटे देशों पर रणनीतिक बढ़त हासिल करने के लिए ऋण जाल कूटनीति का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है. फिजी में एक मजबूत उपस्थिति स्थापित करके क्वॉड देश इस क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभुत्व को संतुलित करने का प्रयास कर रहे हैं.

समुद्री सुरक्षा का एक प्रमुख केंद्र बिंदु

प्रस्तावित बंदरगाह सिर्फ एक वाणिज्यिक बुनियादी ढांचा परियोजना नहीं है. इस पहल से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक यह परियोजना पूरे हिंद प्रशांत क्षेत्र में समुद्री निगरानी क्षमताओं को मजबूत करने में मदद करेगी. इसमें शामिल देश अवैध मछली पकड़ने, तस्करी के नेटवर्क और संदिग्ध नौसैनिक गतिविधि की काफी ज्यादा प्रभावी ढंग से निगरानी कर सकेंगे. यह बंदरगाह मानवीय अभियान, आपदा राहत मिशन और समुद्री सुरक्षा गश्त के दौरान क्वॉड नौसेना के बीच लॉजिस्टिक्स समन्वय को भी बढ़ा सकता है.

भारत के लिए क्यों है यह प्रोजेक्ट जरूरी?

भारत के लिए फिजी का रणनीतिक और सांस्कृतिक दोनों ही तरह से काफी बड़ा महत्व है. अक्सर प्रशांत क्षेत्र के मिनी इंडिया के रूप में पहचाने जाने वाले फिजी में भारतीय मूल के लोगों की एक बड़ी आबादी रहती है. इनके पूर्वज औपनिवेशिक काल के दौरान अनुबंधित मजदूरों के रूप में यहां आए थे. हिंदी को भी देश की आधिकारिक भाषाओं में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त है. भारत के लिए फिजी के साथ मजबूत संबंध प्रशांत क्षेत्र में उसके राजनयिक और नौसैनिक प्रभाव का विस्तार करने में मदद करते हैं. इसी के साथ ग्लोबल साउथ की एक प्रमुख आवाज के रूप में उसकी स्थिति को भी मजबूती मिलती है.

यूपी में क्यों भाग रही हैं बीवियां, कोई 4 बच्चों की मां... तो कोई नई नवेली दुल्हन, इन घटनाओं ने उड़ाए होश

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश से आए दिन आपको सुनने को मिलता होगा कि एक शख्स की पत्नी अपने प्रेमी के साथ भाग गई. कई तो ऐसी घटनाएं है जिसमें 4 बच्चों की मां प्रेमी के साथ फरार हो गई, तो कोई महिला अपने 17 साल पुराने प्रेमी के साथ भाग गई. ऐसे में पति शर्म से किसी को मुंह दिखाने के काबिल नहीं रहते. हम आज ऐसी कई घटनाओं की बात करेंगे, जो सोशल मीडिया के लिए तो एक एंटरटेनमेंट का टॉपिक है लेकिन जिस घर की महिला भागती है उस घर की दुनिया उजड़ जाती है.

आज हापुड़ से एक खबर सामने आई जहां नगर कोतवाली क्षेत्र के बदनौली गांव से चार बच्चों की मां अपने प्रेमी संग बच्चों को छोड़कर फरार हो गई. पीड़ित पति जब घर पहुंचा तो उसे पत्नी के जाने की जानकारी हुई. अब पीड़ित पति ने हापुड़ एसपी से न्याय की गुहार लगाई है. पीड़ित अरुण कुमार ने बताया कि उसकी शादी 15 साल पहले हुई थी उसके चार बच्चे भी हैं उसकी पत्नी पड़ोस के एक युवक के साथ फरार हो गई और घर से नगदी और जेवर भी

लेकर गई है. फिलहाल पति की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है.

ऐसा ही एक मामला कुछ दिन पहले कानपुर से सामने आया था. जहां एक पत्नी अपने पति को छोड़कर अपने आशिक साथ भाग गई. पत्नी के भागने का सीसीटीवी वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था. जिसमें साफ दिख रहा था कि घर से बैग लेकर पत्नी निकली है. इस पूरे मामले में पति ने बताया था कि उसने एक रोज पत्नी को फोन पर एक युवक से बात करते हुए पकड़ा लिया था. उसके बाद से ही पत्नी फरार होने का प्लान बना रहीं थीं और जब रात में मौका मिला तो बैग में कैश और ज्वेलरी रखकर गायब हो गई.

कुछ महीने पहले बांदा में एक नवविवाहिता शादी के 30 दिन बाद अपने प्रेमी के साथ भाग निकली थी. उसका प्रेमी कोई और नहीं बल्कि उसकी शादी में जो फोटोग्राफर था वहीं निकला. जिससे युवती की शादी हुई थी वह डॉक्टर था, लेकिन उसका दिल शादी के दिन फोटोग्राफर पर आ गया. डॉक्टर ने पत्नी भागने के 3 दिन तक तो पुलिस में शिकायत शर्म और समाज की वजह से नहीं की. बाद में जब वह थाने गया तो आरोप लगाते हुए कहा कि दुल्हन करीब 25 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवर और नकदी साथ ले गई.

वहीं हरदोई में एक पत्नी अपने प्रेमी साथ फरार हो गई थी जिसके बाद उसके पति ने फांसी लगाकर खुद की जान दे दी थी. उसकी उम्र मात्र 35 साल थी और वह मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था. वहीं एक और घटना हरदोई से सामने आई थी जहां एक पत्नी अपने प्रेमी के साथ भाग गई थी जब पुलिस ने उस महिला को ढूंढ़ निकाला तो गुस्से में उसके पति ने पुलिस कस्टडी में ही पत्नी को गोली मार दी.

वहीं मुजफ्फरनगर में भी 4 बच्चों की मां अपने पति को छोड़कर प्रेमी के साथ फरार हो गई थी. पति ने थाने के दर-दर चक्कर काटे और पुलिस से कहता रहा 'साहब, बच्चों का पालन-पोषण कैसे करूं? काम करूं या बच्चे पालूं? मेरी बीवी को बरामद कर दो.'

इजराइल के लिए भारत इतना 'जरूरी' क्यों? नेतन्याहू की तारीफ के पीछे छिपे हैं ये 5 बड़े कारण

(जीएनएस)।

ईरान के साथ बढ़ते तनाव और गाजा युद्ध के बीच इजराइल एक बार फिर वैश्विक दबाव और आलोचना का सामना कर रहा है। ऐसे माहौल में इजराइली प्रधानमंत्री Benjamin Netanyahu का भारत और भारतीयों को लेकर दिया गया बयान काफी चर्चा में है।

नेतन्याहू ने कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में इजराइल के खिलाफ माहौल है, लेकिन भारत अलग खड़ा नजर आता है। उन्होंने भारत को खास दोस्त और भरोसेमंद साझेदार बताया। सवाल यह है कि आखिर ऐसा क्या है, जिसकी वजह से इजराइल भारत को इतना अहम मानता है? आइए आसान भाषा में समझते हैं इसके पीछे के बड़े कारण।

मुश्किल समय में भारत ने नहीं बनाई दूरी

गाजा युद्ध और ईरान तनाव के दौरान कई देशों ने इजराइल की खुलकर आलोचना की। लेकिन भारत ने संतुलित रुख अपनाया। भारत ने आतंकवाद के खिलाफ सख्त बयान दिए, साथ ही आम लोगों की सुरक्षा और मानवीय मदद की बात भी की। इजराइल को लगता है कि भारत ऐसा देश है जो दबाव में आकर रिश्ते नहीं बदलता। यही वजह है कि नेतन्याहू बार-बार भारत को भरोसेमंद साथी बता रहे हैं। उनके लिए यह समर्थन सिर्फ राजनीतिक नहीं, बल्कि रणनीतिक रूप से भी बहुत अहम है।

मोदी और नेतन्याहू की मजबूत बॉन्डिंग

प्रधानमंत्री ठंशील्लश् टङ्क्ष और नेतन्याहू के रिश्ते पिछले कुछ वर्षों में काफी मजबूत हुए हैं। दोनों नेताओं की कई मुलाकातें और साझा कार्यक्रम चर्चा में रहे हैं। भारत और इजराइल ने अपने संबंधों को "स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप" तक पहुंचा दिया है। नेतन्याहू जानते हैं कि भारत में मोदी की लोकप्रियता बहुत ज्यादा है। ऐसे में भारत की तारीफ करना दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूत संदेश देने जैसा माना जा रहा है। यह व्यक्तिगत केमिस्ट्री भी रिश्तों को नई दिशा दे रही है।

रक्षा और टेक्नोलॉजी में गहरी साझेदारी

भारत और इजराइल आज रक्षा और टेक्नोलॉजी के बड़े पार्टनर बन चुके हैं। मिसाइल सिस्टम, ड्रोन, साइबर सिक्योरिटी और अकजैसे क्षेत्रों में दोनों देश तेजी से साथ काम कर रहे हैं। भारत इजराइल के लिए बड़ा बाजार है, जबकि इजराइल भारत को एशिया में मजबूत रणनीतिक सहयोगी मानता है। मौजूदा तनाव के बीच इजराइल चाहता है कि भारत उसके साथ मजबूती से जुड़ा रहे। यही कारण है कि नेतन्याहू भारत की अहमियत को खुलकर दुनिया के सामने दिखा रहे हैं।

भारतीय जनता में इजराइल की सकारात्मक छवि

पिछले कुछ वर्षों में भारत में इजराइल को लेकर सकारात्मक सोच काफी बढ़ी है। खासकर सुरक्षा और आतंकवाद के मुद्दों पर कई लोग इजराइल की नीति को मजबूत मानते हैं। सोशल मीडिया पर भी इजराइल के समर्थन में बड़ी संख्या में पोस्ट देखने को मिलती हैं। नेतन्याहू ने इसी बात का जिक्र करते हुए कहा कि उनके सबसे ज्यादा फॉलोअर्स भारत से हैं। इससे साफ है कि इजराइल सिर्फ भारतीय सरकार ही नहीं, बल्कि भारत की जनता को भी अपने बड़े समर्थक के रूप में देखता है।

मोटारोला फोन्स में खुल रहा था छुपा हुआ लिंक, जानिए उस 'बग' का सच जिसे कंपनी ने किया ठीक

(जीएनएस)।

स्मार्टफोन्स में एमेजॉन ऐप खोलने पर कुछ सेकंड्स के लिए यूजर्स एक लिंक पर रीडायरेक्ट हो रहे थे। ऐसे मामले अमेरिका में सामने आए। कंपनी ने इस समस्या को सुलझा लिया है। बताया है कि यह रीडायरेक्ट 'Device Native' नाम की एक कंपनी के साथ उनकी पार्टनरशिप के कारण हुआ।

इस समस्या एक रेडिट यूजर और 9to5Google ने पहचाना।

Motorola स्मार्टफोन्स से जुड़ी एक खबर ने चौंका दिया है। कंपनी ने अपने फोन में आई एक समस्या या 'बग' को स्वीकार करते हुए उसे ठीक कर दिया है। बग के कारण अमेरिका में मोटोरोला के कई फोन्स में जब यूजर एमेजॉन ऐप को खोलते थे तो ऐप असली में खुलने से पहले कुछ सेकंड्स के लिए रीडायरेक्ट हो जाता था। वह एक लिंक पर रीडायरेक्ट होता था। यह सब यूजर्स की जानकारी के बिना हो रहा था और बैकग्राउंड में एफिलिएट कोड (कमाई करने वाले ट्रैकिंग कोड) डालने के लिए ऐसा किया जा रहा था।

एमेजॉन से पहले खुल रहा था लिंक

91मोबाइल्स की रिपोर्ट में बताया गया है कि इस समस्या एक रेडिट यूजर और 9to5Google ने पहचाना।

रिपोर्ट के अनुसार, मोटोरोला के कुछ फोन्स में 'ऐप ड्रॉअर' (जहां फोन के सारे ऐप्स एकसाथ दिखते हैं), वहां से एमेजॉन ऐप खोलने पर कुछ पल के लिए एक इंटरनेट ब्राउजर विंडो खुलती थी। उसके बाद एमेजॉन ऐपल खुलता था। अगर एमेजॉन को सीधे होम स्क्रीन वाले शॉर्टकट से खोला जाता था, तो ऐसा नहीं होता था। (REF.)

क्यों खुल रहा था अनजान लिंक?

रिपोर्ट के अनुसार, यह समस्या मोटोरोला फोन्स में पहले से इंस्टॉल Smart Feed ऐप के कारण हो रही थी।

यह ऐप मोटोरोला के कई नए डिवाइसेज में पहले से लोड आता है। इनमें Razr (2026) फोल्डेबल भी शामिल हैं।

फोन का सिस्टम सॉफ्टवेयर, एमेजॉन को ओपन करने से पहले फोन में चुपके से एक एफिलिएट ट्रैकिंग यूआरएल (URL) भेज रहा था।

मोटोरोला ने दी क्या सफाई?

मोटोरोला ने पूरे मामले को अनजाने में हुई गलती बताया है।

कंपनी ने कहा है कि समस्या को पूरी तरह ठीक कर दिया गया है।

यह रीडायरेक्ट 'Device NÔtive' नाम की एक कंपनी के साथ उनकी पार्टनरशिप के कारण हुआ।

दोनों मिलकर मोटोरोला फोन्स के लिए एक नया 'ऐप सर्च और सजेशन' (ऐप खोजने और सुझाव देने वाला) फीचर तैयार कर रहे थे, जिसमें गड़बड़ी हो गई।

मोटोरोला ने कहा है कि अमेरिका (US) के जो यूजर्स एमेजॉन शॉपिंग ऐप खोल रहे थे, केवल वे ही उस ट्रैकिंग लिंक पर जा रहे थे।

किन फोन्स में आई समस्या?

रिपोर्ट के अनुसार, कुछ खास मोटो फोन्स में समस्या को देखा गया। नए Razr Fold फोन जिसमें 'Smart Feed' का वर्जन 2.03.0070 चल रहा था, उसमें समस्या दिखी। अन्य मोटो फोन्स में ऐसा नहीं हुआ।

क्या भारतीय यूजर्स को चिंता करनी चाहिए? भारतीय यूजर्स को बिलकुल भी चिंता करने की जरूरत नहीं है। यह परेशानी चुनिंदा अमेरिकी यूजर्स को ही देखनी पड़ी है।

अब समस्या को सुलझा लिया गया है और कोई गलत लिंक नहीं खुल रहा।

वैभव सूर्यवंशी ने तोड़ा 19 साल का सबसे बड़ा रिकॉर्ड, रोहित, कोहली और सहवाग सबको पछाड़ा

(जीएनएस)।

आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ क्वालिफायर-2 मुकाबले में अपने करियर के 1000 आईपीएल रन पूरे कर लिए हैं। केवल 15 साल की उम्र में इस खिलाड़ी ने बल्लेबाजी का ऐसा कोहराम मचाया है, जिसे देखकर क्रिकेट जगत के बड़े-बड़े दिग्गज भी पूरी तरह हैरान रह गए हैं।

वैभव सूर्यवंशी अब आईपीएल इतिहास में सबसे कम गेंदें खेलकर 1000 रन पूरे करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। इस जादुई आंकड़े तक पहुंचने के लिए उन्होंने महज 440 गेंदों का सामना किया। बिहार के इस वंडर बॉय ने अपनी आतिशी और बेखौफ बल्लेबाजी के

दम पर टी20 क्रिकेट के कई बड़े और ऐतिहासिक रिकॉर्ड्स को तहस-नहस कर दिया है।

सभी दिग्गजों को दी मात

इस मामले में वैभव ने दुनिया के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों को बहुत पीछे छोड़ दिया है। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर कोलकाता नाइट राइडर्स के आंद्रे रसेल हैं, जिन्होंने 1000 आईपीएल रन बनाने के लिए 545 गेंदें ली थीं। वैभव ने रसेल जैसे धाकड़ बल्लेबाज से भी 105 गेंदें कम खेलकर इस महारिकॉर्ड को अपने नाम दर्ज किया है।

इतना ही नहीं, वैभव सूर्यवंशी ने आरसीबी के विस्फोटक फिनिशर टिम डेविड को भी पछाड़ दिया है। टिम डेविड ने आईपीएल में अपने एक हजार रन पूरे करने के लिए 560 गेंदों का सामना किया था। लेकिन सिर्फ 15 साल के इस भारतीय लड़के ने अपनी टाइमिंग और ताकत के अनूठे मिश्रण से इस रिकॉर्ड को बेहद बौना साबित कर दिया।

PRGI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

अल्टीमेटम खत्म, एक्शन शुरू: लखनऊ केजीएमयू में मजार पर 'लावारिस' का ठप्पा, ढहने की कगार पर अवैध निर्माण!

(जीएनएस)।

लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (KGMU) परिसर में बनी मजार को प्रशासन ने अब 'लावारिस' घोषित कर दिया है. बार-बार नोटिस जारी होने के बावजूद किसी भी पक्ष द्वारा मालिकाना हक का वैध दस्तावेज न देने के बाद प्रशासन ने मजार को हटाने और बुलडोजर कार्रवाई के लिए सरकार से सहमति मांगी है.

लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (ड्क्रद्गव) प्रशासन ने परिसर के भीतर अवैध रूप से निर्मित मजार को 'लावारिस' घोषित करते हुए उसे ध्वस्त करने की तैयारी तेज कर दी है. यूनिवर्सिटी प्रशासन ने जिम्मेदार पक्षों को नोटिस जारी कर मालिकाना हक का दावा पेश करने के लिए पंद्रह दिनों का समय दिया था. सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार अतिरिक्त समय मिलने के बाद भी किसी संस्था या व्यक्ति ने कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं किया. इसके बाद केजीएमयू प्रशासन ने यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रार को रिपोर्ट सौंपकर बुलडोजर कार्रवाई की संस्तुति भेजी है. पुलिस बल और प्रशासनिक उपलब्धता मिलते ही इस अवैध निर्माण को हटा दिया जाएगा.

नोटिस का जवाब नहीं मिलने पर हुई कार्रवाई

केजीएमयू प्रशासन ने मजार को अवैध घोषित करते हुए उसके जिम्मेदार व्यक्तियों को सामने आने के लिए कई बार नोटिस जारी किया था. विश्वविद्यालय को इन नोटिसों का कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला और न ही किसी ने इस पर अपना दावा पेश किया. केजीएमयू के प्रवक्ता प्रो. केके सिंह ने बताया कि केवल एक मजार प्रबंधक ने जवाब दिया था, लेकिन उसने भी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया. इसके बाद प्रशासन ने इस मजार को पूरी तरह 'लावारिस' मान लिया है.

बुलडोजर एक्शन की तैयारी और सरकार से सहमति

विश्वविद्यालय प्रशासन ने पूरे मामले की विस्तृत जानकारी रजिस्ट्रार को दे दी है. इसके साथ ही आगे की दंडात्मक कार्रवाई के लिए बुलडोजर एक्शन की संस्तुति भी शासन को भेजी गई है. प्रशासन ने उत्तर प्रदेश सरकार को इस पूरे घटनाक्रम से अवगत कराते हुए मजार हटाने के लिए अंतिम सहमति मांगी है. केजीएमयू प्रवक्ता के अनुसार, पर्याप्त पुलिस फोर्स और प्रशासनिक अधिकारियों की उपलब्धता मिलते ही परिसर में किसी भी वक्त बुलडोजर की कार्रवाई की जा सकती है.

कार्रवाई को लेकर सुरक्षा सख्त और तगड़ा अल्टीमेटम

अप्रैल महीने से ही केजीएमयू परिसर में अवैध मजारों को हटाने का अभियान तेज कर दिया गया है. केजीएमयू के प्रवक्ता प्रो. केके सिंह ने बताया कि जिला प्रशासन और पुलिस को इसकी पूरी रणनीति भेज दी गई है. सुरक्षा, लॉजिस्टिक और प्रशासनिक पहलुओं को ध्यान में रखकर प्लानिंग तैयार है. प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई भी व्यक्ति इस सरकारी कार्रवाई में बाधा डालता है या विरोध करता है, तो उसके खिलाफ बेहद सख्त कानूनी एक्शन लिया जाएगा.

लखनऊ में 1 से 9 जून तक श्रीराम कथा:जगद्गुरु रामभद्राचार्य सुनाएंगे कथा, तैयारियां तेज

(जीएनएस)।

लखनऊ के श्री खाटूश्याम मंदिर परिसर में शुक्रवार को आयोजित एक प्रेस वार्ता में नौ दिवसीय श्रीराम कथा महोत्सव की तैयारियों की जानकारी दी गई। आयोजन समिति के संरक्षक और लखनऊ उत्तर से विधायक डॉ. नीरज बोरा ने बताया कि पद्मविभूषण जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज की श्रीराम कथा 1 से 9 जून तक सीतापुर रोड स्थित बृज की रसोई परिसर में होगी। कथा प्रतिदिन शाम 5 बजे से रात 8 बजे तक चलेगी।

डॉ. बोरा ने जगद्गुरु रामभद्राचार्य के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि वे देश के प्रतिष्ठित संत, विद्वान और शिक्षाविद हैं। दो माह की आयु में दृष्टि खोने के बावजूद उन्होंने अपनी प्रतिभा और साधना से 250 से अधिक ग्रंथों की रचना की है। उन्होंने चित्रकूट में दिव्यांगजनों के लिए एक विश्वविद्यालय की स्थापना भी की है।

प्रमुख प्रसंग पर कथा होगी

रामभद्राचार्य अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि प्रकरण में भी प्रमुख गवाह रहे हैं। भारत सरकार ने उनके योगदान के लिए उन्हें पद्मविभूषण सम्मान से सम्मानित किया है।कथा के पहले दिन कलश यात्रा, गुरु वंदना और भारद्वाज-याज्ञवल्क्य संवाद का वर्णन किया जाएगा। दूसरे दिन माता सती के प्राकट्य, तीसरे दिन शिव विवाह, चौथे दिन श्रीराम जन्मोत्सव और पांचवें दिन बाललीला व राम वनगमन के प्रसंग सुनाए जाएंगे। छठे दिन सीताराम विवाह और सातवें दिन राम वनवास, केवट संवाद तथा राम-भरत मिलन का वर्णन होगा।

आठवें दिन सीता हरण और शबरी चरित्र का प्रसंग रहेगा। कथा का समापन 9 जून को सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगा। अंतिम दिन लंकादहन, अयोध्या आगमन, श्रीराम राज्याभिषेक उत्सव और विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। समापन पर श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित किया जाएगा।

श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था की गई

डॉ. बोरा ने बताया कि आयोजन की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। नगर निगम, जलकल और विद्युत विभाग सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। श्रद्धालुओं के लिए बैठने, पार्किंग, पेयजल और प्रकाश व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने लखनऊ और आसपास के जिलों के लोगों से बड़ी संख्या में पहुंचकर कथा श्रवण का आग्रह किया।

प्रदेश में राहत वाली भीषण बारिश, नौपता हुआ छूमंतर, आज इन जिलों में 100 किमी रफ्तार वाली आंधी का अलर्ट

(जीएनएस)।

लखनऊ

उत्तर प्रदेश में नौतपा की भीषण गर्मी के बीच तेज आंधी और बारिश से मौसम सुहावना हो गया। कई जिलों में ओलावृष्टि और भारी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने कई जिलों में 100 किलोमीटर प्रति घंटे तक की तेज हवाओं और भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है।

नौतपा की भीषण गर्मी के बीच बृहस्पतिवार देर रात उत्तर प्रदेश का मौसम अचानक बदल गया। राजधानी लखनऊ समेत पश्चिमी और पूर्वी यूपी के कई जिलों में तेज हवाओं, गरज-चमक और झमाझम बारिश ने मौसम सुहावना कर दिया। तराई क्षेत्रों में भी अच्छी बारिश दर्ज की गई, जबकि पश्चिमी यूपी व अन्य कुछ इलाकों में ओलावृष्टि हुई।

बाराबंकी, सीतापुर, कानपुर, हरदोई, मुरादाबाद, बरेली समेत कई जिलों में तेज आंधी और बारिश से तापमान में गिरावट आई, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली। तेज हवाओं के चलते प्रदेश के कई हिस्सों में पेड़ और होर्डिंग्स भी गिर गए।

सीतापुर, बदायूं और झांसी में ओले गिरे, जबकि संभल, बिजनौर, चित्रकूट, आगरा, गाजियाबाद और मथुरा में बारिश से मौसम खुशनुमा हो गया। मेरठ में शुक्रवार को भी काले बादल छाए रहे, वहीं शाहजहांपुर में धूल भरी आंधी के बाद बारिश शुरू हुई।

मौसम विभाग ने 29 और 30 मई के लिए प्रदेश के कई जिलों में आंधी-तूफान और भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार, कुछ स्थानों पर 90 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। पूवार्नुमान है कि बारिश और तेज हवाओं का दौर 31 मई तक जारी रह सकता है।

24 घंटे में प्रदेश में हुई बारिश

पूर्वी यूपी में सबसे ज्यादा बारिश वाले 5 जिले

सिटी	बारिश प्रतिशत (मिमी)
मिजार्पुर	100
अयोध्या	90
प्रयागराज	61
उन्नाव	59
सिद्धार्थनगर	51

पश्चिमी यूपी में सबसे ज्यादा बारिश वाले 5 जिले

सिटी	बारिश प्रतिशत (MM)
सहारनपुर	32
हाथरस	30
बिजनौर	20
हमीरपुर	20
जालौन	20

इन जिलों में आंधी का रेड अलर्ट

बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिजार्पुर,भदोही, लखीमपुर खीरी, हरदोई, फरुर्खाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, रायबरेली, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी और ललितपुर।

लखनऊ में थम गया सिटी बसों का पहिया; तीन महीने से सैलरी नहीं दे पाई यूपी सरकार

(जीएनएस)।

लखनऊः लखनऊ सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड के चालक परिचालकों को पिछले तीन महीने से वेतन नहीं मिला है जिससे उनके सब्र का बांध टूट गया. शुक्रवार सुबह से ही उन्होंने लखनऊ में सिटी बसों का संचालन पूरी तरह से ठप कर दिया.

दुबग्गा डिपो से संचालित होने वाली एक भी बस डिपो से बाहर निकल ही नहीं पाई. पानी में भीगते हुए ड्राइवर कंडक्टर दुबग्गा डिपो तो पहुंचे, लेकिन उन्होंने बस की स्टीयरिंग को हाथ नहीं लगाया, बल्कि धरने पर बैठकर विरोध प्रदर्शन करने लगे.

सिटी बसों का संचालन ठप कर देने से यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है. उन्हें अपनी मंजिल तक पहुंचने के लिए अन्य यातायात साधनों का सहारा लेना पड़ रहा है. सुबह के समय बस का संचालन बाधित होने से स्कूल जाने वाले छात्रों, ऑफिस जाने वाले कर्मचारियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है.

लखनऊ सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड के सैकड़ो कर्मचारी पिछले तीन माह से अपने वेतन की मांग कर रहे हैं, लेकिन उनकी सुनवाई ही नहीं हो रही है. वेतन मांग- मांगकर थक चुके चालक-परिचालकों को बार-बार झूठा आश्वासन ही मिलता रहा. आखिरकार शुक्रवार को उनका धैर्य जवाब दे गया.

दुबग्गा डिपो में सुबह-सुबह सैकड़ों की संख्या में चालक परिचालक इकट्ठा हुए और उन्होंने बस संचालन न करने का फैसला लिया. उनका कहना है कि वैसे भी नाम मात्र का ही वेतन मिलता है. घर का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है और ऐसे में तीन महीने तक वेतन न मिलने से परिवार कैसे चल रहा होगा, इसके बारे में भी जिम्मेदार सोच नहीं रहे हैं. आखिर कितने दिन तक बिना वेतन के नौकरी की जाए.

प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का कहना है कि अब जब तक उनका वेतन नहीं मिल जाता है, तब तक बस का संचालन नहीं किया जाएगा. झूठा आश्वासन मिलने से परेशान हो गए हैं.

ड्३८ इ४२ डस्री१३ड्ढल्ल

सिटी बस कर्मचारियों ने लखनऊ में बसों का संचालन ठप कर दिया.

सिटी बस में तैनात कर्मचारियों का यह भी कहना है कि परिवहन निगम ने फैसला लिया है कि जो भी कंडक्टर परिवहन निगम से सिटी बस में गए थे, उनकी परिवहन निगम में वापसी हो सकती है, तो फिर परिवहन निगम में हमें वापस क्यों नहीं लिया जा रहा है.

कई परिचालकों को पुरानी सिक्योरिटी पर वापस लिया गया है, लेकिन हमसे ₹10000 फिर से सिक्योरिटी जमा करने को क्यों कहा जा रहा है. हमें भी सिटी बस से वापस परिवहन निगम की सेवा में लिया जाए.

चालकों-परिचालकों का आरोप है कि अधिकारियों के साथ कई बार वेतन को लेकर वार्ता हो चुकी है. बार-बार यही कहा गया कि वेतन मिल जाएगा, लेकिन तीन महीने बीत चुके हैं अभी तक एक पैसा भी नहीं मिला है. आखिर हमारा घर कैसे चले. अब जब बसों का संचालन ठप किया जाएगा, तो अधिकारी वेतन देने के बारे में कुछ सोचेंगे. फिलहाल, सुबह से ही दुबग्गा डिपो में चालक परिचालकों का विरोध प्रदर्शन जारी है. बसों के चक्के जाम हैं. यात्री सड़क पर बसों का इंतजार कर रहे हैं लेकिन बसें डिपो में ही खड़ी हैं.

लखनऊ सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक अमरनाथ सहाय का कहना है कि नगरीय परिवहन निदेशालय से बात की गई है. तीन माह से कर्मचारियों का वेतन न मिलने से उनकी परेशानी भी जायज है. जल्द से जल्द उनकी समस्या का समाधान किया जाएगा.

सिटी बस के अधिकारी मौके पर चालक परिचालकों को मनाने का प्रयास कर रहे हैं. सोमवार तक उनका जो भी बकाया है उसका भुगतान करने की कोशिश की जाएगी.

लखनऊः यूपीएससी छात्रा से गैंगरेप मामले में 7 दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली, 12 बार सिम बदल चुके हैं आरोपी

(जीएनएस)।

लखनऊ में यूपीएससी की छात्रा से गैंगरेप मामले में सात दिन बाद भी आरोपी शिवम यादव और शनि यादव पुलिस की गिरफ्त से बाहर है. पुलिस लगातार अलग-अलग जगहों पर दबिश दे रही है.

राजधानी लखनऊ में यूपीएससी की तैयारी कर रही छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म मामले में 7 दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली है. पुलिस अब तक नामजद आरोपी शिवम यादव और शनि यादव को गिरफ्तार नहीं कर पाई है. इस मामले की जाँच के लिए पुलिस की चार टीमें बनाई गई हैं. जो अलग-अलग जगहों पर दबिश दे रही है लेकिन, अब तक पुलिस को कोई सफलता नहीं मिल पाई है.

लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस के मुताबिक घटना के बाद से आरोपियों के मोबाइल फोन बंद आ रहे हैं, जिसकी वजह से राजधानी की हाईटेक पुलिस आरोपियों की लोकेशन को ट्रेस नहीं कर पा रही है. इस मामले में शिवम यादव और शनि यादव के अलावा एक अन्य अज्ञात युवक भी आरोपी है. पुलिस इस वारदात के सात दिन बाद भी आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर सकी है.

आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस की 4 टीमें अलग-अलग ठिकानों पर दबिश दे रही है. आरोपी बार-बार अपने मोबाइल नंबर और ठिकाने बदल रहे हैं. जानकारी के मुताबिक दोनों आरोपी अब तक 12 से ज्यादा मोबाइल सिम बदल चुके है.

बता दें कि पीड़िता जौनपुर की रहने वाली है और दिल्ली में रहकर यूपीएससी की तैयारी कर रही थी. बीते दिनों वो छुट्टियों पर अपने घर आई थी. 15 मई को वो वापस दिल्ली जाने के लिए ट्रेन से रवाना हुई थी. उसने ये बात अपने दोस्त को फोन करके बताई थी, जिसके बाद आरोपी युवक लखनऊ के चारबाग स्टेशन पर पहुँच गया और उसने जबरन उसे ट्रेन से उतार लिया.

पीड़िता को बंधक बनाकर गैंगरेप

आरोप है कि ट्रेन से उतारने के बाद आरोपी युवती को अपनी साथ सुशांत गोल्फ थाना क्षेत्र में स्थित अपार्टमेंट ले गया जहां उसे कॉफी में नशीला पदार्थ पिला दिया, जिससे युवती बेहोश हो गई. इसके बाद आरोपी ने उसके साथ रेप की घिनौनी वारदात को अंजाम दिया. इसके बाद अगले दिन आरोपी शिवम के दोस्त शनि ने भी उससे रेप किया और तीसरे दिन एक और युवक फ्लैट में पहुंचा और उसने भी युवती से रेप की वारदात को अंजाम दिया.

तीन दिन बाद जब पीड़िता की हालत जब बिगड़ गई तो आरोपी उसे दोबारा चारबाग स्टेशन से ही ट्रेन में बिठाकर भाग गए. जिसके बाद पीड़िता ने सारी बातें अपने परिवार को दी.

भाजपा के ये विधायक सामूहिक विवाह में करेंगे शादी, पीएम मोदी को बताया वजह

विधायक दीपेश साहू का यह फैसला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है. विधायक का समर्थन करने वाले लोग उनके इस कदम को एक मिसाल के तौर पर पेश कर रहे हैं. इस सामूहिक विवाह का आयोजन बड़े पैमाने पर होने की उम्मीद है.

(जीएनएस)।

छत्तीसगढ़ के बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (इखढ) के विधायक दीपेश साहू सामूहिक विवाह में शादी करने वाले हैं. 31 मई को सरकार की ओर से आयोजित 'मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना' में दीपेश भी अन्य जोड़ों के साथ शादी के बंधन में बंध जाएंगे. उन्होंने इस पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को क्रेडिट दिया है.

दीपेश साल 2023 में तत्कालीन कांग्रेस के विधायक को हराकर विधानसभा पहुंचे थे. टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 35 साल के दीपेश भाजपा के टिकट से पहली बार विधायक बने हैं. उन्होंने कहा कि वो अपने इस कदम से सादगी का संदेश देना चाहते हैं. वो भी ऐसे वक्त पर, जब प्रधानमंत्री मोदी खुद सादगी और संयम अपनाने की बात कर रहे हैं.

दीपेश साहू का यह फैसला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है. विधायक का समर्थन करने वाले लोग उनके इस कदम को एक मिसाल के तौर पर पेश कर रहे हैं. इस सामूहिक विवाह का आयोजन बड़े पैमाने पर होने की उम्मीद है. रिपोर्ट के मुताबिक, कार्यक्रम में सूबे के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय खुद भी शामिल हो सकते हैं. उनके साथ दोनों उप-मुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा भी शामिल होंगे.

इनके अलावा विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह, केंद्रीय मंत्री तोखन साहू के साथ कई अन्य वीआईपी लोग शामिल होंगे. अपनी सादगी भरी शादी के बारे में बात करते हुए दीपेश ने कहा कि वो इस वैश्विक संकट के दौर में सामूहिक शादी करके साहू समाज के साथ-साथ अन्य लोगों को भी एक संदेश देना चाहते हैं.

दीपेश साहू को अपने इलाके के जमीनी नेता के तौर पर जाना जाता है. सामूहिक विवाह कार्यक्रम की तैयारी करने वाले अधिकारियों के मुताबिक, तैयारियां तेजी से चल रही हैं. 31 मई को होने वाला प्रोग्राम हालिया सालों में हुए ऐसे कार्यक्रमों से बड़ा और भव्य बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है.

आज के समय लोग दिखावे के लिए लाखों-करोड़ों रुपये शादियों में खर्च कर देते हैं. ऐसे में कुछ लोगों को ये स्टेटस मेंटेन करने की चक्कर में कर्ज भी लेना पड़ता है. इसलिए सरकार ऐसे सामूहिक विवाह कार्यक्रमों का आयोजन कराती है, जिनमें वो लोग शादी करते हैं, जो शादी के दौरान होने वाले खर्च का भार नहीं उठा सकते हैं.

क्या सिर्फ हिंदुओं के मुख्यमंत्री हैं? सीएम योगी के माफिया वाले बयान पर एआईएमआईएम की प्रतिक्रिया

(जीएनएस)।

सीएम योगी के बयान 'अब कोई माफिया खुली जीप में चलकर पिस्टल लहराते हुए किसी हिंदू को धमका नहीं सकता' पर एआईएमआईएम प्रवक्ता शादाब चौहान की प्रतिक्रिया सामने आई है.

मऊ दौरे पर पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि अब कोई माफिया खुली जीप में चलकर पिस्टल लहराते हुए किसी हिंदू को धमका नहीं सकता. योगी आदित्यनाथ के बयान पर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (अक्टक्ट) प्रवक्ता शादाब चौहान ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है.

एआईएमआईएम प्रवक्ता शादाब चौहान ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान पर कहा है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहते हैं कि कोई भी व्यक्ति तमंचा लेकर हिंदू को नहीं डरा सकता', इसका मतलब है कि वो मुसलमानों, सिखों, इसाई, पारसी और बौद्ध आदि धर्म के लोगों को लोगों को डरा सकता है.

'क्या सिर्फ हिंदुओं के मुख्यमंत्री हैं योगी?'

मुख्यमंत्री के बयान पर उन्होंने कहा कि, सीएम योगी के इस बयान का मतलब यह है कि वो सिर्फ हिंदुओं के मुख्यमंत्री हैं. एआईएमआईएम प्रवक्ता शादाब चौहान ने सवाल उठाते हुए पूछा है कि "क्या योगी आदित्यनाथ सिर्फ हिंदुओं के मुख्यमंत्री हैं या उत्तर प्रदेश की 24 करोड़ जनता के मुख्यमंत्री हैं?"

टॉप-10 माफियाओं की सूची जारी करने की सरकार को चुनौती

एआईएमआईएम प्रवक्ता शादाब चौहान ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को चुनौती देते हुए कहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश के टॉप10 माफियाओं की सूची जारी करे और हिम्मत हो तो उन पर सामान रूप से बुलडोजर कार्रवाई करे. उन्होंने कहा है कि क्या एनसीआरबी के आंकड़े झूठे हैं? उन्होंने कहा कि एनसीआरबी का डेटा बताता है कि महिला अपराध में उत्तर प्रदेश नंबर1 पर आ गया है.

सड़क पर धार्मिक आयोजन पर रोक पर प्रतिक्रिया

इसके अलावा एआईएमआईएम प्रवक्ता शादाब चौहान ने पर्व में व्यवधान उत्पन्न करने को लेकर दिए गए सीएम योगी के बयान पर कहा है कि सभी जानते हैं कि पर्व में कौन व्यवधान उत्पन्न कर रहा है और कौन मारीच और ताड़का का रूप धारण कर रहा है. एआईएमआईएम प्रवक्ता शादाब चौहान ने सड़क पर धार्मिक आयोजनों पर रोक लेकर कहा कि क्या सरकार सावन महीने में कांवड यात्रा को लेकर सड़क बंद नहीं की जाएगी, क्या कावंडियों पर पुष्प वर्षा नहीं की जाएगी.

एआईएमआईएम प्रवक्ता शादाब चौहान ने अपने बयान के आखिरी में कहा है कि, योगी आदित्यनाथ एक धर्म के मुख्यमंत्री नहीं हैं और देश संविधान से चलेगा, न कि किसी की अपनी निजी सोंच और विचार से देश नहीं चल सकता है. उन्होंने कहा है कि कानून सभी के लिए एक सामान लागू होना चाहिए.

छूटे हुए छात्रों को एनटीए ने दिया एक और मौका, अब किस तारीख तक खुला रहेगा पोर्टल?

(जीएनएस)।

देशभर के लाखों ठएएळ वक्र 2026 अभ्यर्थियों के लिए बड़ी राहत की खबर आई है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने परीक्षा फीस रिफंड से जुड़ी प्रक्रिया को लेकर छात्रों को एक और मौका दिया है। अब उम्मीदवार 22 जून 2026 तक अपने बैंक खाते की जानकारी जमा कर सकेंगे। पहले यह प्रक्रिया 27 मई को बंद होने वाली थी, लेकिन बड़ी संख्या में छात्रों के अधूरी प्रक्रिया में फंसे रहने के बाद एजेंसी ने समय बढ़ाने का फैसला लिया।

NTA का कहना है कि कई छात्रों को जानकारी देर से मिली, जबकि कुछ उम्मीदवार तकनीकी परेशानी के कारण समय पर बैंक डिटेल अपडेट नहीं कर पाए। ऐसे में छात्रों को परेशानी से बचाने और रिफंड प्रक्रिया पूरी कराने के लिए पोर्टल दोबारा खोला गया है। एजेंसी ने छात्रों से तय समय के अंदर सही जानकारी भरने की अपील की है।

22 जून तक खुला रहेगा पोर्टल

NTA के अनुसार अब छात्र 22 जून 2026 रात 11:50 बजे तक अपनी बैंक खाते की जानकारी जमा कर सकते हैं। इसके लिए उम्मीदवारों को ठएएळ वक्र 2026 के आधिकारिक रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर लॉगिन करना होगा। वहां रिफंड लिंक के जरिए बैंक डिटेल भरने की सुविधा दी गई है।

मेजर अभिलाषा बराक को संयुक्त राष्ट्र सैन्य लैंगिक समानता समर्थक पुरस्कार

रैपिड फायर करेंट अफेयर्सप्रारंभिक परीक्षासामान्य अध्ययन-क्कक्रअंतर्राष्ट्रीय संबंधसामान्य अध्ययन-क्कक्रविभिन्न सुरक्षा बल और एजेंसियाँ तथा उनके अधिदेश

(जीएनएस)।

हाल ही में, लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (UNIFIL) में सेवारत एक भारतीय शांति सैनिक, मेजर अभिलाषा बराक को वर्ष 2025 का संयुक्त राष्ट्र सैन्य लैंगिक समानता समर्थक पुरस्कार का प्राप्तकर्त्ता नामित किया गया है।

उन्हें संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में सम्मानित किया जाएगा, जो प्रतिवर्ष 29 मई को संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों की सेवा और बलिदान का सम्मान करने के लिये मनाया जाता है।

परिचयः मेजर अभिलाषा बराक वठक्क्रक्क्छ में भारतीय बटालियन में महिला संपर्क दल (FET) की कमांडर के रूप में सेवारत हैं।

UNIFIL लेबनान में तैनात एक संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना मिशन है, जिसमें भारत मिशन में 642 कार्मिकों का योगदान देता है।

मान्यताः उन्हें महिलाओं और किशोर लड़कियों के साथ आउटरीच और सामुदायिक समन्वय, साथ ही शांति सैनिकों के लिये लैंगिक संवेदीकरण प्रशिक्षण के लिये सम्मानित किया गया है।

वह भारतीय सेना की पहली महिला कॉम्बैट हेलीकॉप्टर पायलट भी हैं, जो इस पुरस्कार के महत्त्व को बढ़ाता है।

महत्त्वः वह मेजर सुमन गवानी (2019) और मेजर राधिका सेन (2023) के बाद पुरस्कार की तीसरी भारतीय प्राप्तकर्त्ता हैं, जो संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना मिशनों में सबसे बड़े सैन्य और पुलिस के योगदानकर्त्ताओं में से एक के रूप में भारत की सुदृढ़ भूमिका को दशार्ता है।

पुरस्कारः संयुक्त राष्ट्र सैन्य लैंगिक समानता समर्थक पुरस्कार वर्ष 2016 में शांति संचालन विभाग के तहत सैन्य मामलों के कार्यालय द्वारा बनाया गया था।

उद्देश्यः यह पुरस्कार उन सैन्य शांति सैनिकों को मान्यता देता है जो शांति स्थापना गतिविधियों में लैंगिक परिप्रेक्ष्य को सर्वोत्तम रूप से एकीकृत करते हैं और महिला, शांति एवं सुरक्षा पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद संकल्प 1325 के सिद्धांतों को बढ़ावा देते हैं।

लखनऊ के होटल में लटकी मिली छात्रा की लाश, वेटर दरवाजा खटखटाता रहा कोई बाहर नहीं निकला; खिड़की से देख भागा

लखनऊ के नाका स्थित होटल में एमए की छात्रा का शव फंदे से लटका मिला। छात्रा 25 मई से घर से लापता थी और परिवार ने गुमशुदगी दर्ज कराई थी। होटल कर्मियों की सूचना पर पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव बरामद किया। परिजनों ने मोबाइल और सीसीटीवी जांच की मांग की है।

(जीएनएस)।

लखनऊ के नाका में बुधवार रात होटल मिलन में लखीमपुर खीरी के महेवागंज निवासी एमए की छात्रा गुंजन मिश्रा(22) का शव लटकता मिला। 25 मई को गुंजन घर में बिना बताए कहीं चली गई थीं। उनके पिता ने लखीमपुर में सदर थाने में बेटी की गुमशुदगी दर्ज कराई थी।

गुंजन के बड़े भाई संदीप ने बताया कि बहन 25 मई दोपहर 12 बजे घर की पहली मंजिल पर मां के साथ खाना खाने गई थी। उसका मोबाइल उसी के कमरे थे। कुछ देर बाद जब बहन पिता पंकज को नहीं दिखाई पड़ी तो उन्होंने काफी खोजबीन की। मगर कुछ पता नहीं चलने पर उन्होंने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई।

बुधवार रात लखनऊ स्थित नाका थाने से उनके पास कॉल आई। पुलिस ने होटल मिलने के कमरा नंबर 22 में बहन का शव दुपट्टे से पंखे के सहारे लटकता मिलने की जानकारी दी। इंस्पेक्टर नाका अभिनव वर्मा ने बताया कि 25 मई की शाम करीब 5:22 गुंजन ने कमरे की बुकिंग कराई थी।

बुधवार रात करीब नौ बजे तक जब गुंजन बाहर नहीं आई तो वेटर ने दरवाजा खटखटाया। कोई जवाब नहीं मिलने पर पुलिस को इसकी जानकारी दी गई। दरवाजा तोड़कर पुलिस अंदर पहुंची तो गुंजन का शव मिला।

गुंजन के पास दूसरा फोन होने की नहीं थी जानकारी

छात्रा के भाई ने बताया कि गुंजन के पास दूसरा मोबाइल भी था इसकी घरवालों को कोई जानकारी नहीं थी। उन्होंने बताया कि बहन स्कूटी खरीदना चाहती थी। इसके 35 हजार रुपये भी घर में रखे हैं। भाई ने होटल में लगे सीसीटीवी फुटेज और बहन के दोनों मोबाइल की जांच की मांग मौखिक रूप से की है। इंस्पेक्टर ने बताया कि घरवालों ने अभी तक कोई तहरीर नहीं दी है।

दरोगा ने बाइक में मारी टक्कर, युवक की मौत:बच्चा गंभीर; गुस्साए लोगों ने लखनऊ में 3 घंटे रोड जाम किया; आरोपी को पुलिस को सौंपा

(जीएनएस)।

लखनऊ में क्रेटा कार सवार दरोगा ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। उसका 10 साल का रिश्तेदार गंभीररूप से घायल हो गया। घटना से गुस्साए लोगों ने आरोपी दरोगा को पकड़कर स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। दुबग्गा-हरदोई रोड जाम कर करीब 3 घंटे तक जोरदार प्रदर्शन किया। स्थिति को

घटना आज दोपहर 3:40 बजे दुबग्गा थाना क्षेत्र में हरदोई रोड पर बाजनगर अंडरपास के पास रॉयल रिसोर्ट के सामने हुआ। मृतक की पहचान 25 साल के साहिल के रूप में हुई। वह अमेठिया सलेमपुर का रहने वाला था। घायल की पहचान अंजान के रूप में हुई है।

ग्रामीणों ने बताया कि कार और बाइक की आमने-सामने से टक्कर हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार सड़क पर दूर जाकर गिरे। बाइक चला रहे साहिल ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। उसके 10 साल के रिश्तेदार अंजान को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जोरदार टक्कर की वजह से कार का

साहिल, मृतक

अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया।

कार चला रहे दरोगा को लोगों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा

ग्रामीणों ने बताया कि कार उत्तर प्रदेश पुलिस का दरोगा चला रहा था। उसके साथ एक महिला भी सवार थी। घटना के बाद आसपास को लोग जुट गए। लोगों ने दरोगा को घेर लिया। स्थानीय पुलिस को घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस को आरोपी दरोगा को सौंप दिया।

घटना से गुस्साए लोगों ने सड़क जाम किया

घटनास्थल से साहिल का घर करीब 4 किलोमीटर दूर है। उसकी मौत की सूचना पर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। घटना पर नाराजगी जाते हुए घटनास्थल पर ही दुबग्गा-हरदोई रोड जाम कर दिया। गुस्साए लोगों ने पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी शुरू कर दी।

वाहनों की 1 किलोमीटर लंबी कतार लगी

मृतक के परिवार को 1 करोड़ मुआवजा, सरकारी नौकरी और आरोपी दरोगा की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। पुलिस अधिकारियों ने उन्हें समझाने की कोशिश की, लेकिन वे नहीं माने। जिलाधिकारी को मौके पर बुलाने की मांग करने लगे।

सहायक पुलिस आयुक्त काकोरी शकील अहमद और सहायक पुलिस आयुक्त चौक राजकुमार ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई का आश्वासन दिया, तब लोग शांत हुए। इस दौरान करीब 3 घंटे तक सड़क पर आवाजाही प्रभावित रही। ग्रामीणों ने बताया कि साहिल अपने मां-बाप का इकलौता बेटा था। शटरिंग का काम करता था।

लखनऊ में युवक ने लिया मोर के बच्चे की मौत का बदला, पुलिस ने पशु क्रूरता में किया गिरफ्तार

(जीएनएस)।

लखनऊ। राजधानी के सरोजनीनगर क्षेत्र में एक युवक ने ऐसा काम किया कि ¨ उसके खिलाफ पशु क्रूरता में मुकदमा दर्ज किया गया और पुलिस ने गुरुवार रात उसको गिरफ्तार कर लिया। युवक रमन गौतम को अपने खेत में मोर का बच्चा मिला, जिसे युवक अपने घर ले आया। उसी मोर के बच्चे को जब एक कुत्ते ने मार डाला तो युवक ने उसकी हत्या कर दी। युवक के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है।

सरोजनी नगर क्षेत्र के बिजनौर थाना क्षेत्र के नटकुर गांव में मंगलवार को गांव के युवक रमन गौतम अपने खेत से एक मोर का बच्चा उठाकर घर ले आया था, जिसे उसी दिन शाम को घर के बाहर एक कुत्ते ने मार डाला। इस घटना से गुस्साए रमन ने रास्ते में बैठे कुत्ते पर लोहे की रॉड से ताबड़तोड़ हमला कर मौके पर ही उसकी जान ले ली।

उसके इस कृत्य का विरोध कर रहे लोगों को अनसुना कर उसने कुत्ते शव को लेकर घसीटते हुए नहर में फेंक दिया। घटना का सीसीटीवी फुटेज वायरल होने के बाद हरकत में आई पुलिस ने गुरुवार को रमन को घर से गिरफ्तार कर पशु क्रूरता अधिनियम समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अवश्यक कार्रवाई की है।

ओमान का सरेंडर! ट्रंप के डर से रद्द हुआ टोल टैक्स का प्लान

(जीएनएस)।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच होर्मुज स्ट्रेट फिर चर्चा में आ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ऊङ्कल्लं ँ ळ१४ेस्र की कड़ी चेतावनी के बाद ओमान ने साफ कर दिया है कि वह होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर कोई टोल नहीं लगाएगा।

अमेरिकी वित्त मंत्री रूङ्क३३ ड्ढी२शील्ल३ ने दावा किया कि ओमान ने अमेरिका को भरोसा दिया है कि वह ऐसा कोई कदम नहीं उठाएगा जिससे वैश्विक व्यापार, तेल सप्लाई और समुद्री सुरक्षा प्रभावित हो। इस बीच खाड़ी क्षेत्र में करीब 2,000 जहाज फंसे होने की खबर ने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है।

ट्रंप की धमकी के बाद बदला ओमान का रुख

होर्मुज जलडमरूमध्य पर टोल लगाने की चर्चा के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को सख्त चेतावनी दी थी। इसके तुरंत बाद ओमान ने अमेरिका को भरोसा दिया कि वह इस योजना का हिस्सा नहीं बनेगा। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने बताया कि ओमान के राजदूत ने फोन पर साफ कहा कि ऐसी कोई योजना लागू नहीं की जाएगी। ओमान नहीं चाहता कि उस पर अमेरिकी प्रतिबंध लगें या उसके बैंकिंग सिस्टम और व्यापार पर असर पड़े। इससे साफ है कि ट्रंप की चेतावनी का असर सीधे दिखाई दिया है।

क्यों इतना अहम है होर्मुज जलडमरूमध्य?

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के

सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्तों में गिना जाता है। खाड़ी देशों से निकलने वाला बड़ा हिस्सा तेल और छठक्कइसी रास्ते से दुनिया के अलग-अलग देशों तक पहुंचता है। अगर यहां आवाजाही रुकती है तो पूरी दुनिया में तेल की कीमतें तेजी से बढ़ सकती हैं। भारत, चीन, जापान और यूरोप के कई देश भी इस रूट पर निर्भर हैं। यही वजह है कि अमेरिका लगातार चाहता है कि यहां जहाजों की आवाजाही बिना किसी रुकावट के जारी रहे और समुद्री सुरक्षा बनी रहे।

खाड़ी में फंसे 2,000 जहाजों से बढ़ी चिंता

स्कॉट बेसेंट के मुताबिक, तनाव बढ़ने के कारण करीब 2,000 जहाज इस समय खाड़ी क्षेत्र से बाहर निकलने का इंतजार कर रहे हैं। यह खुलासा दिखाता है कि हालात कितने गंभीर हो चुके हैं। जहाजों की आवाजाही धीमी होने से तेल सप्लाई पर असर पड़ सकता है और कई देशों में ईंधन महंगा हो सकता है। शिपिंग कंपनियां भी जोखिम लेने से बच रही हैं। अगर यह स्थिति लंबे समय तक रहती है तो वैश्विक सप्लाई चेन और व्यापार दोनों पर बड़ा असर देखने को मिल सकता है।

अमेरिका की सबसे बड़ी चिंता क्या है?

ट्रंप प्रशासन की सबसे बड़ी प्राथमिकता होर्मुज जलडमरूमध्य में सामान्य आवाजाही बहाल करना है। अमेरिका का मानना है कि समुद्री रास्ते खुले और सुरक्षित रहने चाहिए। स्कॉट बेसेंट ने कहा कि दुनिया की अर्थव्यवस्था के लिए जरूरी है कि जहाज बिना डर और रुकावट के गुजर सकें। अमेरिका को डर है कि अगर तनाव और बढ़ा तो तेल बाजार में बड़ा संकट खड़ा हो सकता है। यही कारण है कि वॉशिंगटन लगातार ओमान और दूसरे खाड़ी देशों के साथ बातचीत कर रहा है।

तेल की कीमतों को लेकर राहत की उम्मीद

हालांकि हालात तनावपूर्ण हैं, लेकिन अमेरिका को उम्मीद है कि स्थिति जल्द सामान्य हो सकती है। स्कॉट बेसेंट ने कहा कि जैसे ही शिपिंग दोबारा पटरी पर लौटेगी, तेल की सप्लाई बेहतर हो जाएगी और कीमतें नीचे आ सकती हैं। पिछले कुछ दिनों से निवेशकों की नजर भी इसी इलाके पर बनी हुई है। अगर होर्मुज में तनाव कम होता है तो दुनियाभर के बाजारों को राहत मिल सकती है। लेकिन अगर ईरान और अमेरिका के बीच टकराव बढ़ा, तो फिर तेल की कीमतों में बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है।

होर्मुज के 'खतरनाक' रास्ते से कैसे बच निकले भारतीय जहाज? भारत के सीक्रेट 'रूट ऑपरेशन' का पूरा सच

(जीएनएस)।

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्ते स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बेहद खतरनाक बना दिया है। यही वह रास्ता है, जहां से दुनिया के करीब 20 फीसदी तेल की सप्लाई गुजरती है। मिसाइल हमलों और सैन्य अलर्ट के बीच कई देशों के जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है। लेकिन इस संकट के बीच भारत अपने जरूरी तेल और सामान से भरे जहाजों को सुरक्षित निकालने में सफल रहा है।

अब भारत सरकार ने पहली बार बताया है कि आखिर किस तरह विदेश मंत्रालय, शिपिंग और पेट्रोलियम मंत्रालय मिलकर इस पूरे 'सीक्रेट रूट ऑपरेशन' को संभाल रहे हैं।

MEA के जरिए हो रहा पूरा तालमेल

शिपिंग मंत्रालय के अनुसार होर्मुज से जहाज निकालने का सबसे बड़ा काम विदेश मंत्रालय यानी टएअ संभाल रहा है। भारत सीधे तौर पर ईरान के अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क बनाए हुए है। सुरक्षा कारणों से पूरी जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा रही, लेकिन जहाजों की मूवमेंट पूरी प्लानिंग के साथ तय होती है। कौन सा जहाज पहले निकलेगा और किस समय निकलेगा, यह फैसला हालात

देखकर लिया जा रहा है ताकि किसी भी हमले या सैन्य गतिविधि से जहाजों को दूर रखा जा सके।

जरूरी तेल वाले जहाजों को दी जा रही प्राथमिकता

सरकार ने साफ किया है कि हर जहाज को एक साथ नहीं भेजा जा रहा। पेट्रोलियम मंत्रालय और उर्वरक मंत्रालय मिलकर तय कर रहे हैं कि कौन सा जहाज देश के लिए ज्यादा जरूरी है। जिन जहाजों में कच्चा तेल, गैस या जरूरी सप्लाई है, उन्हें पहले सुरक्षित रास्ता दिया जा रहा है। इसी रणनीति के तहत "निसोस केरोस" नाम का बड़ा ऑयल टैंकर सुरक्षित होर्मुज पार करने में सफल रहा। यह जहाज करीब 2.7 लाख मीट्रिक टन कच्चा तेल लेकर भारत आ रहा है।

जहाजों की हर मिनट हो रही ट्रैकिंग

भारत सरकार इस पूरे ऑपरेशन में शिप ट्रैकिंग सिस्टम का भी इस्तेमाल कर रही है। कमर्शियल ट्रैकिंग ऐप्स और समुद्री निगरानी सिस्टम के जरिए हर जहाज की लोकेशन पर नजर रखी जा रही है। इससे पता चलता रहता है कि कौन सा इलाका ज्यादा खतरनाक है और कहां से जहाजों को सुरक्षित निकाला जा सकता है। सरकार का कहना है कि फिलहाल फारस की खाड़ी में मौजूद सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं और किसी भी भारतीय क्रू के साथ अप्रिय घटना की खबर नहीं है।

ईरान की मंजूरी के बाद निकल रहे जहाज

ईरान की IRGC ने भी पुष्टि की है कि कई व्यापारिक जहाज ईरानी अधिकारियों के साथ तालमेल के बाद होर्मुज पार कर रहे हैं। पिछले 24 घंटों में दर्जनों जहाज इस रास्ते से निकले हैं। इसका मतलब है कि मौजूदा युद्ध जैसे हालात में बिना समन्वय कोई जहाज आगे नहीं बढ़ रहा। भारत इसी कूटनीतिक तालमेल का फायदा उठा रहा है। यही वजह है कि दुनिया में ऊर्जा संकट बढ़ने के बावजूद भारत अपने जरूरी तेल और व्यापारिक सप्लाई को लगातार जारी रखने में सफल दिखाई दे रहा है।

नगर निगम-नगर पंचायत चुनावों में कैसे आप की ऐतिहासिक जीत?

(जीएनएस)।

पंजाब की जनता ने आम आदमी पार्टी (AAP) के नेतृत्व वाली सरकार पर फिर से भरोसा जताया है। विधानसभा, लोकसभा और पंचायत चुनावों के बाद अब नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों में भी अअढ ने भारी बहुमत से जीत दर्ज की है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने घोषणा की कि पार्टी ने 90 प्रतिशत से अधिक शहरी स्थानीय निकायों पर कब्जा जमा लिया है। यह जीत केवल सीटों की नहीं, बल्कि अअढ सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों और पारदर्शी शासन की भी जीत मानी जा रही है।

नगर निगम और नगर पंचायत चुनावों में अअढ ने शानदार प्रदर्शन किया। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 90% से ज्यादा नगर परिषदों और पंचायतों पर अअढ के उम्मीदवार विजयी रहे। विपक्षी दलों - कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल और भाजपा - के कुल वोट मिलाकर भी अअढ के वोटों के बराबर नहीं पहुंच सके। खास बात यह रही कि भाजपा पांचवें स्थान पर खिसक गई, जो पंजाब की राजनीति में उसके घटते प्रभाव को साफ दशार्ता है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने जीत के बाद कहा, पंजाबियों ने एक बार फिर 'अपनी सरकार' के कामों पर मुहर

लगाई है। यह मुफ्त बिजली, आम आदमी क्लीनिक, बेहतर स्कूलों और पारदर्शी नौकरियों की जीत है। उन्होंने सभी विजयी उम्मीदवारों और पार्टी वॉलंटियर्स को बधाई दी और भरोसा दिलाया कि अब किसी भी शहर, कस्बे या गांव के साथ भेदभाव नहीं होगा। हर जगह समान विकास होगा।

जीत के पीछे की वजहः जनता को छूती योजनाएं

अअढ की इस लगातार सफलता का सबसे बड़ा कारण उसकी कल्याणकारी योजनाएं हैं, जो आम आदमी तक सीधे पहुंच रही हैं:

मुफ्त बिजलीः पंजाब में घरेलू उपभोक्ताओं को 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली मिल रही है, जिससे किसान और आम परिवारों का बोझ काफी हद तक कम हुआ है।

आम आदमी क्लीनिकः मोहल्लों में स्थापित ये क्लीनिक सस्ते और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं। जहां पहले निजी अस्पतालों पर निर्भर रहना पड़ता था, वहां अब लोग आसानी से इलाज करा रहे हैं।

शिक्षा क्रांतिः सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचा सुधार, शिक्षकों की भर्ती और बेहतर सुविधाओं ने माता-पिता का विश्वास जीता है।

पारदर्शी भर्तियांः सरकारी नौकरियों में घोटालों के बजाय मेरिट आधारित चयन ने युवाओं में उम्मीद जगाई है।

ये योजनाएं सिर्फ वादे नहीं, बल्कि जमीन पर उतर चुकी हकीकत हैं। जनता ने इन्हें महसूस किया और वोट के रूप में जवाब दिया। चुनावी विश्लेषण में सबसे दिलचस्प बात यह रही कि कांग्रेस, अकाली दल और भाजपा के सारे वोट मिलाने के बावजूद अअढ से काफी पीछे रहे। अकाली दल का पारंपरिक वोट बैंक सिकुड़ता दिख रहा है, कांग्रेस संगठनात्मक स्तर पर कमजोर है, जबकि भाजपा पंजाब में अपनी जड़ें मजबूत नहीं कर पाई। भाजपा का पांचवें स्थान पर पहुंचना उसके लिए चिंता का विषय है।

क्रिस गेल को जो महारत हासिल करने में लगी आधी उम्र, बिहार के लाल ने इतनी कम उम्र में कैसे पा लिया वो मुकाम?

(जीएनएस)।

आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स के 15 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। बुधवार को महाराजा यादविंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) के खिलाफ खेले गए मुकाबले में वैभव ने महज 29 गेंदों पर 97 रनों की पारी खेली। इस सीजन में शानदार प्रदर्शन की बदौलत वे फिलहाल 15 मैचों में 680 रन बनाकर ऑरेंज कैप की रेस में सबसे आगे चल रहे हैं, जिसमें एक शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं।

वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में अब तक कुल 65 छक्के जड़ दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने आईपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का 14 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल के नाम था, जिन्होंने साल 2012 के आईपीएल सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (फइ) के लिए खेलते हुए 59 छक्के लगाए थे। गेल को यह उपलब्धि हासिल करने के लिए अपनी आधी उम्र लगानी पड़ी थी। यह रिकॉर्ड बनाते समय गेल 32 साल के थे।

इस रिकॉर्ड की सबसे दिलचस्प बात यह है कि जब साल 2012 में क्रिस गेल ने यह वैश्विक कीर्तिमान स्थापित किया था, तब वैभव सूर्यवंशी की उम्र महज 1 वर्ष थी। वैभव सूर्यवंशी का जन्म 27 मार्च 2011 को बिहार के समस्तीपुर जिले के ताजपुर

गांव में हुआ था। यह वह दौर था जब इसके ठीक कुछ दिनों बाद भारत ने अपनी धरती पर 2011 का ऐतिहासिक वनडे विश्व कप जीता था।

वैभव के पिता संजीव सूर्यवंशी भी एक क्रिकेटर रह चुके हैं, जिन्होंने बचपन से ही वैभव के टैलेंट को पहचाना और उन्हें खेल के लिए प्रेरित किया। वैभव वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज ब्रायन लारा को अपना आदर्श मानते हैं। वैभव का क्रिकेट सफर जमीनी स्तर पर बेहद मजबूत रही है। साल 2024 में महज 12 साल की उम्र में उन्होंने बिहार के लिए रणजी ट्रॉफी में डेब्यू कर सबको चौंका दिया था। इतनी कम उम्र में प्रथम श्रेणी क्रिकेट की चुनौतियों का सामना करने ने उनके आत्मविश्वास को और मजबूत किया।

वैभव की बल्लेबाजी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे मैच की पहली गेंद से ही गेंदबाजों पर दबाव बनाने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने आईपीएल 2025 में भी अपनी प्रतिभा की झलक दिखाई थी जब 28 अप्रैल 2025 को गुजरात टाइटंस के खिलाफ महज 35 गेंदों में शतक जड़ा था।